2017/00034

11.7.17 आज यह पत्रावली राजस्व लोक अदालत
मुख्यालय लैपटू पर पेश हुई। गैरसायलान
उप०। सायलान की ओर से कोई उप० नहीं।
गैरसायलान को सुना तथा पत्रावली का
अवलोकन किया। विवादित आराजी संयुक्त
खातेदारी की आराजी है जिसमें सभी पक्षकारों
के हित निहित है। इसलिये न्याय हित में गैरसायलान
~~प्रार्थी~~ को जरिये अस्थाई निषेधाज्ञा पाबन्द किया
जाना उचित समझता हूँ। अतः आदेश है
कि प्रार्थना पत्र निस्तारण कर गैरसायलान को
जरिये अस्थाई निषेधाज्ञा पाबन्द किया
जाता है ~~[illegible]~~ वह मूल वाद के निस्तारण
तक विवादित आराजी 306, 430, 626, 888,
889, 890, 900, 1522/436, 627, 769,
1224/480, 1533/563 वाके ग्राम नुनहेरा
तहसील लैपटू पर रिकॉर्ड की यथास्थिति
बनाये रखें। पत्रावली फैसल शुमार होकर
मूल दावा की पत्रावली के साथ संलग्न
रहे।

[signature]